

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

ट्रंप की नीतियों ने विदेशी छात्रों का भविष्य किया संकट में, एडमिशन के बाद भी अमेरिका में एंट्री रोकी

Publisher

Published on 17 Sep 2025



अमेरिका में शिक्षा हासिल करने का सपना देखने वाले हजारों विदेशी छात्रों की उम्मीदों पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने ग्रहण लगा दिया है। हाल ही में सामने आए मामलों में कई छात्रों को एडमिशन मिल चुका है, लेकिन उन्हें देश में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। यह कदम छात्रों और उनके परिवारों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

ट्रंप की नीतियों का असर

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने कार्यकाल में अमेरिका में विदेशियों के प्रवेश और वीजा नीतियों को कड़ा कर दिया था। इसका सबसे बड़ा असर विदेशी छात्रों पर पड़ा, जो अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए आए थे।

विदेशी छात्र अब स्टूडेंट वीजा प्राप्त करने के बावजूद अमेरिका में प्रवेश नहीं कर पा रहे हैं। यह नीति विशेष रूप से उन छात्रों को प्रभावित कर रही है, जिनका एडमिशन अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पहले ही तय हो चुका है।

छात्रों और विश्वविद्यालयों पर असर

विदेशी छात्रों की एंट्री रुकने से विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक गतिविधियाँ और विदेशी छात्रों के योगदान पर भी असर पड़ा है। कई अमेरिकी विश्वविद्यालय विदेशी छात्रों पर आर्थिक रूप से निर्भर हैं, क्योंकि वे ट्यूशन फीस के महत्वपूर्ण स्रोत होते हैं।

विद्यार्थियों का कहना है कि एडमिशन मिलने के बाद भी प्रवेश न मिलना उनकी शैक्षणिक योजना और करियर को प्रभावित कर रहा है। कई छात्र अब भारत या अन्य देशों में ऑनलाइन पढ़ाई करने पर मजबूर हैं, जो अनुभव और नेटवर्किंग के अवसर सीमित कर देता है।

प्रशासनिक बाधाएँ

विदेशी छात्रों की एंट्री रोकने की प्रक्रिया में कई **वीज़ा नियम और सुरक्षा जांच** शामिल हैं। प्रशासन ने यह कहते हुए रोक लगाई कि यह कदम **राष्ट्रीय सुरक्षा और आव्रजन नियमों** के अनुरूप है।

हालांकि, आलोचकों का कहना है कि यह कदम **विदेशी छात्रों के लिए अनुचित और उनके भविष्य के लिए खतरा** है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि छात्रों की पढ़ाई और भविष्य को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रावधान किए जाएँ।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

इस नीति के खिलाफ कई अंतरराष्ट्रीय शिक्षा संगठन और अमेरिकी विश्वविद्यालयों ने विरोध जताया है। उनका कहना है कि **विदेशी छात्रों को रोकना अमेरिका की शिक्षा प्रणाली और वैश्विक सहयोग के लिए हानिकारक** है।

विदेशी छात्रों का अमेरिका में अध्ययन न कर पाना न केवल उनके करियर को प्रभावित करता है, बल्कि **अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय छवि** पर भी प्रश्न चिह्न खड़ा करता है।

छात्रों की चिंताएँ

विदेशी छात्रों का कहना है कि उन्होंने लाखों डॉलर निवेश किए हैं और अपना एडमिशन सुनिश्चित किया है। लेकिन अब उन्हें **एंट्री न मिलने की वजह से शैक्षणिक और आर्थिक नुकसान** उठाना पड़ रहा है। कई छात्र ऑनलाइन क्लासेस की ओर रुख कर रहे हैं, लेकिन यह अनुभव अमेरिका में फिजिकल स्टडी का विकल्प नहीं दे पाता।

भविष्य की चुनौतियाँ

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि अमेरिका की यह नीति जारी रहती है, तो यह **विदेशी छात्रों के आकर्षण और अमेरिका में शिक्षा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा** पर असर डालेगी। इसके अलावा, छात्र अन्य देशों के विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं, जिससे अमेरिका का उच्च शिक्षा क्षेत्र प्रभावित हो सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों ने विदेशी छात्रों की पढ़ाई और करियर को सीधे प्रभावित किया है। एडमिशन मिलने के बाद भी अमेरिका में प्रवेश रोकने से छात्रों का भविष्य संकट में है। विशेषज्ञ और शिक्षा संस्थाएँ इस नीति के **पुनर्विचार और संशोधन** की मांग कर रहे हैं।

विदेशी छात्रों के लिए अमेरिका की शिक्षा अब **आकर्षक अवसर** के बजाय चुनौतीपूर्ण रास्ता बन गई है। इस नीति का प्रभाव न केवल व्यक्तिगत स्तर पर बल्कि वैश्विक शिक्षा प्रणाली और अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी देखने को मिलेगा।